नईदुनिया



# फुकेट-दिल्ली उड़ान मामले में पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव एयरलाइन ने सेवा से हटाया

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की एक उड़ान से जुड़े हादसे की जांच में पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी सामने आई है। मामले की जांच कर रहे विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की शुरुआती रिपोर्ट के बाद एयरलाइन ने संबंधित पायलट को सेवा से हटा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान के दौरान एयरबस विमान के फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम ने तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी दर्ज की थी। जांच एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और जांच पूरी होने के बाद अंतिम रिपोर्ट जारी की जाएगी। घटना 4 अगस्त की है। फुकेट से दिल्ली आ रहा विमान भुवनेश्वर के पास उड़ान के दौरान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था। इस दौरान विमान में मौजूद यात्रियों और क्रू सदस्यों को झटके लगे और कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। घटना के समय विमान में 137 यात्री और आठ क्रू सदस्य सवार थे। इस तरह विमान में कुल 145 लोग मौजूद थे। दिल्ली पहुंचने के बाद घायल यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई थी। शुरुआत में विमान के अचानक नीचे आने की घटना को टर्बुलेंस से जोड़कर देखा गया था।

# सिक्किम की 40 ग्लेशियल झीलों से बढ़ा खतरा, 16 सबसे संवेदनशील

## अलर्ट: शाको चो झील को माना गया सबसे अधिक जोखिम वाला, बाढ़ से बचाव की तैयारियां तेज

**नईदुनिया ब्यूरो, सिक्किम:** सिक्किम की ग्लेशियल झीलों से उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। राज्य सरकार ने 40 ऐसी ग्लेशियल झीलों की पहचान की है, जिनसे अचानक बाढ़ आने का खतरा बना हुआ है। इनमें 16 झीलों को सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। शाको चो झील को राज्य की सबसे संवेदनशील झील माना गया है।

अधिकारियों के अनुसार, इन झीलों का पानी अचानक बाहर निकलने की स्थिति में निचले इलाकों में तेज और विनाशकारी बाढ़ आ सकती है। 40 झीलों में 16 को श्रेणी ए में रखा गया है, जो सबसे अधिक खतरे वाली श्रेणी है। इसके अलावा दो झीलें

श्रेणी बी और नौ झीलें श्रेणी सी में शामिल हैं, जबकि 13 झीलों को अभी किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर ग्लेशियल झील की भौगोलिक और प्राकृतिक स्थिति अलग है, इसलिए सभी के लिए एक जैसी सुरक्षा योजना तैयार नहीं की जा सकती। ल्होनक कॉम्प्लेक्स, शाको चो और गुरुडोंगमार कॉम्प्लेक्स के लिए अलग-अलग योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

ग्लेशियरों के पिघलने से जमा पानी से बनने वाली झीलों के अचानक टूटने या पानी के तेजी से बाहर निकलने की घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है। झील में पानी का अत्यधिक भराव, भूस्खलन, बर्फ या चट्टानों का गिरना और भूकंप जैसी घटनाएं इसका कारण बन सकती हैं। ऐसी स्थिति में पानी तेजी से नीचे की ओर बहता है और घरों, सड़कों तथा पुलों को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।

सिक्किम वर्ष 2023 में ऐसी आपदा का सामना कर चुका है। अक्टूबर 2023 में ग्लेशियल झील से आई बाढ़ में कम से कम 60 लोगों की मौत हुई थी और कई जिलों में भारी नुकसान हुआ था। चुंगथांग बांध भी इस आपदा में क्षतिग्रस्त हो गया था।

राज्य सरकार अब संभावित खतरे को कम करने के लिए झीलों का जलस्तर घटाने, पानी निकालने के लिए पाइप और पंप लगाने तथा जल निकासी के रास्तों को बेहतर बनाने के विकल्पों पर विचार कर रही है। कुछ स्थानों पर सुरक्षा दीवार और सुरंग बनाने की योजना भी बनाई जा रही है। झीलों की निगरानी के लिए सैटेलाइट तस्वीरों और रिमोट सेंसिंग तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। नए पूर्व चेतावनी सेंसर लगाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, ताकि अचानक होने वाले बदलावों का समय रहते पता लगाकर लोगों को चेतावनी दी जा सके।

**अमेरिकी राजदूत बोले-मोदी से मिलना चाहते हैं ट्रम्प, जी-20 के दौरान दोनों की मुलाकात संभव**

# भारत-अमेरिका की दोस्ती से कई देशों को जलन: सर्जियो

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लगातार मजबूत हो रहे रिश्तों को देखकर कई दूसरे देश जलते हैं। गोर के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त मानते हैं और दिसंबर में होने वाले जी-20 सम्मेलन के दौरान जिन नेताओं से वह मिलना चाहते हैं, उनमें प्रधानमंत्री मोदी का नाम सबसे ऊपर होगा। सर्जियो गोर ने कहा कि ट्रम्प और मोदी के बीच अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं। ऐसे में जी-20 सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के फ्लोरिडा पहुंचने पर दोनों नेताओं के बीच अलग से द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना भी बन सकती है। हालांकि, ऐसी किसी बैठक की

अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रम्प के वर्ष 2027 में भारत दौरे की संभावना के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ट्रम्प वर्ष 2020 की अपनी भारत यात्रा को आज भी याद करते हैं। जब भी भारत की चर्चा होती है, वह यहां के लोगों से हुई मुलाकातों और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने संबंधों को याद करते हैं। हालांकि, संभावित भारत यात्रा की कोई तारीख या आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर गोर ने कहा कि दोनों देश समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद समझौते से जुड़े कुछ मुद्दों पर दोबारा काम किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले कुछ महीनों में दोनों देश इस समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं।

गोर ने कहा कि बड़े व्यापारिक समझौतों को पूरा होने में समय लगना सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से जारी व्यापार वार्ताओं का उदाहरण भी दिया। उनके अनुसार भारत और अमेरिका के बीच वर्तमान में करीब 240 अरब डॉलर का व्यापार हो रहा है, जिसे आने वाले वर्षों में बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते से दोनों देशों को आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है और अमेरिका एक मजबूत व स्थिर भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है।

## बेल्जियम के पीएम बोले- मोदी ने यूरोप को पहले ही चेताया था

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि यूरोप को आर्थिक निर्भरता के खतरे का एहसास अब हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोप को इस बारे में काफी पहले चेताया था, लेकिन उस समय उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ के कार्यक्रम में बोलते हुए डी वेवर ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन यूरोप इस बदलाव के साथ कदम नहीं मिला पा रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप की अर्थव्यवस्था, नवाचार और उत्पादकता के क्षेत्र में चीन और अमेरिका काफी आगे निकल चुके हैं। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने कहा कि यूरोप की कमजोरी केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी खुद उठाने की स्थिति में भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब यूरोप को अपनी स्थिति बदलने की जरूरत समझ आ रही है। उन्होंने इसे कड़वी हकीकत से जागने जैसा बताया। डी वेवर ने कहा कि यूरोप ने लंबे समय तक विदेशी कंपनियों को अपने बाजार में बड़ी जगह दी। कम कीमत वाले आयात के कारण स्थानीय उद्योगों को नुकसान हुआ और धीरे-धीरे यूरोप की औद्योगिक क्षमता कमजोर होती गई। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को चीन की ओर संकेत के रूप में देखा गया। उन्होंने भारत को यूरोप का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया। डी वेवर ने कहा कि भारत सहयोग, बहुपक्षीय व्यवस्था और आपसी सम्मान पर आधारित संबंधों में विश्वास रखता है। उन्होंने भारत को नंबर-1 रणनीतिक साझेदार बताते हुए कहा कि दोनों पक्षों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। डी वेवर ने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, प्रतिभाशाली मानव संसाधन और तकनीकी क्षमता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोप के बीच मजबूत साझेदारी दोनों के लिए लाभकारी हो सकती है। उन्होंने बेल्जियम की आर्थिक स्थिति का भी जिक्र किया। डी वेवर ने बताया कि सरकार वर्ष 2029 तक करीब 10 अरब यूरो की बचत करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों का असर समाज के सभी वर्गों पर पड़ेगा और बजट घाटा केवल कर बढ़ाकर पूरा नहीं किया जा सकता।

# बाढ़ के पानी में डूबकर तय समय पर रचाई शादी

**फिलीपींस, एजेंसी:** प्यार और अपने फैसले के प्रति दृढ़ता का अनोखा उदाहरण फिलीपींस में देखने को मिला, जहां एक दंपती ने बाढ़ के पानी से भरे चर्च में विवाह की रस्में पूरी कीं।

बुलाकान प्रांत के हागोनॉय कस्बे में मंगलवार को हुई इस शादी के दौरान चर्च के भीतर कमर तक पानी भरा हुआ था। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सेंट जॉन द बैपटिस्ट चर्च पानी में डूब गया था। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए चर्च प्रशासन ने दूल्हा-दुल्हन को विवाह समारोह स्थगित करने की सलाह दी थी, लेकिन दोनों ने तय कार्यक्रम के अनुसार ही शादी करने का फैसला किया।

दुल्हन लियान लीजा गलांग सफेद गाउन और हाथों में फूलों का गुलदस्ता लेकर बाढ़ के पानी से गुजरते हुए चर्च पहुंचीं। वहां उन्होंने गिल्बर्ट चिको के साथ विवाह किया। दूल्हे ने कहा कि शादी के दौरान उन्हें इस बात की चिंता नहीं थी कि उनके कपड़े और गाउन पानी में भीग जाएंगे। बाढ़ के पानी में दुल्हन को चलने में परेशानी न हो, इसके लिए उनके गाउन के पीछे के लंबे हिस्से को छोटा करवाना पड़ा। दोनों चर्च तक ऊंचे चेसिस वाले रिक्शे से पहुंचे, जिससे परिसर तक पहुंचने से पहले उनके कपड़े काफी हद तक सुरक्षित रहे।

# पाकिस्तान में गहराया खाद्य संकट, एक चौथाई परिवार भूख की मार झेल रहे

## सरकारी आंकड़ों में खुलासा, गेहूँ, चावल, दूध और मांस की खपत में लगातार कमी

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में खाद्य असुरक्षा लगातार गंभीर होती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में बड़ी संख्या में परिवार भोजन की मात्रा और उसकी विविधता में कटौती करने को मजबूर हैं। हालात ऐसे हैं कि करीब एक चौथाई परिवार किसी न किसी स्तर पर भूख और खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं।

पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ों के अनुसार, बीते छह वर्षों के दौरान पाकिस्तानी परिवारों में लगभग सभी प्रमुख खाद्य पदार्थों की खपत कम हुई है। इसका असर ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में दिखाई दिया है। लोग गेहूं, चावल, दूध, मांस और चाय जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं का सेवन पहले की तुलना में कम कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, मध्यम से गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले परिवारों की हिस्सेदारी वर्ष 2019 में 15.92 प्रतिशत थी,

जो वर्ष 2025 में बढ़कर 24.35 प्रतिशत पहुंच गई। इसी अवधि में गंभीर खाद्य असुरक्षा झेलने वाले परिवारों की संख्या भी बढ़ी है। यह अनुपात 2.37 प्रतिशत से बढ़कर 5.04 प्रतिशत हो गया।

महंगाई और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण परिवार अपने भोजन में कटौती कर रहे हैं। कई घरों में कम मात्रा में चावल पकाया जा रहा है और रोटियों का आकार भी छोटा किया जा रहा है। मांस की खपत घटने के साथ बच्चों को दिए जाने वाले दूध की मात्रा में भी कमी की बात सामने आई है। चाय जैसे सामान्य उपभोग वाले पदार्थों की खपत में भी गिरावट दर्ज की गई है।

खाद्य संकट का असर केवल भोजन की मात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि पौष्टिक आहार तक पहुंच भी लगातार कम हो रही है। इससे भविष्य में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी समस्याएं बढ़ने की आशंका जताई गई है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के बावजूद पाकिस्तान में खाद्य जरूरतों को पूरा करना चुनौती बनता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, देश कम से कम वर्ष 2021 से खाद्य पदार्थों का शुद्ध आयातक बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है, जबकि बढ़ते संकट का दबाव शहरी परिवारों पर भी लगातार बढ़ रहा है।

## दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, डीएनए जांच मात्र से दुष्कर्म साबित नहीं

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि डीएनए जांच से किसी व्यक्ति के बच्चे का जैविक पिता होने और यौन संबंध स्थापित होने की पुष्टि हो सकती है, लेकिन केवल इसके आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि संबंध सहमति से बने थे या जबरदस्ती। अदालत ने स्पष्ट किया कि डीएनए रिपोर्ट अपने आप में दुष्कर्म का प्रमाण नहीं है। जस्टिस मधु जैन ने यह टिप्पणी एक महिला की अपील खारिज करते हुए की। महिला ने उस व्यक्ति को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी, जिस पर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करने, नशीला पदार्थ देने, अप्राकृतिक यौन कृत्य करने और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। हाईकोर्ट ने द्वारका अदालत के अक्टूबर 2024 के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया गया था। महिला का आरोप था कि आरोपी उसके परिवार को जानता था और वर्ष 2017 से उसे धमकाकर तथा बहला-फुसलाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाता रहा।

# पाकिस्तान में 100 साल पुराने हिंदू मंदिर को गिराया गया

**इस्लामाबाद, एजेंसी:** पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत में करीब 100 वर्ष पुराने एक हिंदू मंदिर को जानबूझकर गिराए जाने की खबरों से इनकार किया है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि भारी बारिश के कारण मंदिर की इमारत क्षतिग्रस्त होकर ढह गई थी। दूसरी ओर स्थानीय लोगों और हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंदिर को जानबूझकर गिराए जाने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान का दावा है कि 21 जुलाई को हुई भारी बारिश के कारण मंदिर की पुरानी इमारत को नुकसान पहुंचा और वह गिर गई। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर को जानबूझकर ध्वस्त किया गया तथा उसकी जमीन का उपयोग पास के मदरसे के लिए करने की कोशिश की जा रही थी। घटना की तारीख को लेकर भी अलग-अलग दावे सामने आए हैं। कुछ रिपोर्टों में मंदिर की इमारत 21 अगस्त को गिराए जाने की बात कही गई है, जबकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे 21 जुलाई को बारिश से हुई क्षति बताया है। दोनों दावों में लगभग एक महीने का अंतर होने से मामले को लेकर सवाल उठे हैं।

स्थानीय लोगों और हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया था कि मंदिर को स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने नुकसान पहुंचाया। इस मामले में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से जुड़े लोगों की भूमिका होने के आरोप भी लगाए गए हैं। मामला सामने आने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने 2 सितंबर को घटना की निंदा की थी। भारत ने कहा था कि मंदिर की सुरक्षा के लिए स्थानीय प्रशासन की ओर से समय पर कार्रवाई नहीं किया जाना चिंता का विषय है। भारत ने इसे पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताया। भारत ने पाकिस्तान से घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग की थी। इसके बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारतीय आरोपों को खारिज कर दिया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने कहा कि भारत इस मामले में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है और आरोप राजनीतिक उद्देश्य से लगाए गए हैं।

## कुवैत में तमिलनाडु की महिला ने प्रताड़ना का आरोप लगाया, भारत लौटने की लगाई गुहार

**कुवैत सिटी, एजेंसी:** कुवैत में घरेलू काम के लिए गई तमिलनाडु की एक महिला ने कथित प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए भारत सरकार और प्रशासन से सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है। महिला का कहना है कि उसे करीब 50 दिनों से ठीक से भोजन नहीं मिला है और दो महीने का वेतन भी नहीं दिया गया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में महिला हाथ जोड़कर मदद मांगती दिखाई दे रही है। तमिल भाषा में उसने भारत वापस लाए जाने की अपील करते हुए कहा कि वह अब इस स्थिति को और सहन नहीं कर सकती। महिला की पहचान वनिता के रूप में हुई है, जो तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले की निवासी है। परिवार के अनुसार, वह करीब तीन महीने पहले एक एजेंट के माध्यम से घरेलू काम करने के लिए कुवैत गई थी। विदेश जाने का उद्देश्य परिवार की आर्थिक मदद करना था। वीडियो सामने आने के बाद तमिलनाडु प्रशासन ने वनिता के परिवार से संपर्क किया। उसकी मां ने महिला की सुरक्षित वापसी के लिए शिकायत दर्ज कराई है।

**विज्ञान** *नए शोध में खुलासा, जीन के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय माहौल भी बदलता है संवाद का तरीका...*

# चिंपैंजी भी सीखते हैं बोलने का अलग अंदाज, बना सकते हैं अपनी बोली

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** चिंपैंजी भी इंसानों की तरह अपने आसपास के सामाजिक और पर्यावरणीय माहौल से संवाद करने का तरीका सीखते हैं।

एक नए शोध में सामने आया है कि उनके हंसने, गुर्राने और धीमी आवाज में रोने जैसे स्वर केवल जन्म से तय नहीं होते, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ उनमें बदलाव आता है। यही प्रक्रिया अलग-अलग समूहों में अलग संवाद शैली या अपनी तरह की बोली विकसित कर सकती है।

यह अध्ययन प्लोस वन पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने जाम्बिया के चिमफुंशी वन्यजीव अनाथालय और तंजानिया के गोम्बे नेशनल पार्क में रहने वाले चिंपैंजी बच्चों तथा किशोर चिंपैंजियों की आवाजों का अध्ययन किया। दोनों स्थानों की चिंपैंजी आबादी भौगोलिक रूप से एक-दूसरे से अलग है। शोध में पाया गया कि दोनों क्षेत्रों के चिंपैंजी द्वारा निकाली जाने वाली अलग-अलग आवाजों में स्पष्ट अंतर पहचाना जा सकता है। इससे संकेत मिलता है कि विभिन्न आबादियों में संवाद के अलग स्वर पैटर्न मौजूद हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, उम्र बढ़ने के साथ इन अंतरों की पहचान और अधिक स्पष्ट होती

गई। इससे पता चलता है कि चिंपैंजी का संवाद केवल उनके जीन से निर्धारित नहीं होता। बचपन से किशोरावस्था तक उनके आसपास का सामाजिक और पर्यावरणीय वातावरण भी आवाजों और संवाद शैली को प्रभावित करता है। अध्ययन की प्रमुख शोधकर्ता और क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की डॉक्टोरल शोधार्थी कासांद्रा गिरागोसियन के अनुसार, शुरुआती जीवन में संवाद का तरीका किस प्रकार विकसित होता है, इसे समझना जानवरों के व्यवहार को जानने के लिए महत्वपूर्ण है। शोध से संकेत मिलता है कि चिंपैंजी की आवाजें पूरी तरह स्थिर नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों के साथ विकसित होती रहती हैं।

शोधकर्ताओं ने इसकी तुलना इंसानों से भी की है। अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की भाषा या बोलने के तरीके पर स्थानीय और सामाजिक वातावरण का प्रभाव पड़ता है। इसी प्रकार चिंपैंजी के विभिन्न समुदायों में भी आवाज निकालने और संवाद करने का अंदाज अलग हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि कुछ आबादी विशेष आवाजों की विशेषताएं चिंपैंजी के शैशवकाल में दिखाई देने लगती हैं, जबकि कुछ अंतर किशोरावस्था के दौरान विकसित होते हैं। यह शोध उस पुरानी धारणा को चुनौती देता है कि प्राइमेट्स की आवाजें पूरी तरह आनुवंशिक और जन्म से निर्धारित होती हैं।